दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2021–22 दिनांक 10.10.2021

प्रकाशनार्थ

महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. शीला सिंह ने अस्तित्ववादी दर्शन का संदर्भ देते हुए बताया कि व्यक्ति के जीवन में अवसाद, अर्थहीनता, एकाकीपन एवं तनाव निरन्तर बढ़ता जा रहा है, फिर भी ये परिस्थितियां व्यक्ति को मार नहीं सकती, बल्कि व्यक्ति इससे और मजबूत होता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. सुशील कुमार तिवारी ने भारत में मानसिक विकारों की भयावह दशा की तरफ संकेत करते हुए, विद्यार्थियों को इन समस्याओं से लड़ने के लिए कुछ टिप्स दिये। साथ ही बच्चों को शारीरिक व्यायाम, सामुदायिक एवं सामाजिक सहयोग करने एवं स्वयं अपने आप को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमित शाही जी ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के पक्ष में बोलते हुए समान समाज में जहॉ लोगों के बीच सामाजिक व आर्थिक अन्तर बढ़ता जा रहा है, ऐसे समय में सभी को मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं किस तरह से प्राप्त हों इस विषय पर अपना विचार रखा। मानसिक स्वास्थ्य नीति 2017 की चर्चा करते हुए उन्होंने यह बताया कि किस तरह से यह नीति मानसिक स्वास्थ्य के रोगियों हेतु उन्ही सुविधाओं का अधिकार प्रदान करता है जो शारीरिक स्वास्थ्य के रोगियें को मिलती रही है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. ए.एन.प्रसाद ने मानसिक स्वास्थ्य को समाज का कलंक कहा और उसे समाप्त करने की आवश्यकता बतायी साथ में उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार से आजकल युवा वर्ग में इन्टरनेट एडिक्शन बढ़ता जा रहा है जिसे दूर करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा ने मानसिक स्वास्थ्य पर बोलते हुए खुद को लोगों से जोड़े रखने, अच्छे मित्र बनाने, अच्छे मूल्यों को धारण करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने व सम्बन्धित मदद लेने व देने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में डॉ. मनोज पाण्डेय, सहायक आचार्य, वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय, डॉ. अमीश, सहायक आचार्य, फिरोज गॉधी, महाविद्यालय, रायबरेली, डॉ. तुलिका पाण्डेय, सहायक आचार्य, बी.आर.डी.पी.जी.कालेज, देवरिया, डॉ. विनोद गुप्ता, सहायक आचार्य, डी.ए.वी.पी.जी.कालेज, गोरखपुर, डॉ. वेंकेट रमन पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप पी.जी.कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर, डॉ. रूपेश तिवारी, सहायक आचार्य, जी.एस.एस.आर.पी.जी.कालेज, आजमगढ़ तथा डॉ.शोएब हसन, सहायक आचार्य, मनोविज्ञान, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर ने आमंत्रित व्याख्यान दिया। इन वक्ताओं ने मानसिक स्वास्थ्य के बढ़ावा देने तथा योग, ध्यान, आध्यात्मिकता, तनाव–प्रबन्धन, क्षमा, समय प्रबन्धन का मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया। भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं एवं मानसिक स्वास्थ्य नीति के सन्दर्भ में बात करते हुए कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विवेक कुमार शाही ने बताया कि तकनीकी सत्र में कुल 20 शोध पत्रों का वाचन हुआ। कार्यक्रम का संचालन और आभार ज्ञापन डॉ. विवेक शाही ने किया।

डॉ.(वीणा गोपाल मिश्रा)
प्राचार्य